

गोरक्षनगरी को मिलेगी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की सौगात

सीएम योगी आज करेंगे शुभारंभ, एमपीआईटी में होगा कार्यक्रम, टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन भी रहेंगे मौजूद

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) में टाटा कंसल्टेंसी सर्विस (टीसीएस) के सहयोग से बने पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर टीसीएस एवं टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन भी उपस्थित रहेंगे।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के उद्घाटन अवसर पर 'एआई अवेयरनेस फॉर ऑल' ट्रेनिंग वर्कशॉप का भी शुभारंभ होगा। इस वर्कशॉप में प्रतिभागियों की संख्या के लिहाज से विश्व कीर्तिमान रचने की भी तैयारी की गई है। एमपीआईटी में टीसीएस के सहयोग से पूर्वी उत्तर प्रदेश का पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित हुआ है। इसे विश्वस्तरीय मानक के अनुरूप विकसित किया गया है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के ढांचगत निर्माण पर 19.35 करोड़ रुपये, फर्नीचर व फर्निशिंग पर 2.40 करोड़, ड्रोन टेक्नोलॉजी सेंटर पर 1.84 करोड़, एआई सेंटर पर 9.56 करोड़, स्पेस टेक्नोलॉजी सेंटर पर 2.09 करोड़, साइबर सिक्योरिटी सेंटर पर 6.19 करोड़ और थ्री डी प्रिंटिंग सेंटर पर 6.79 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

इस कॉम्प्लेक्स में ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड थ्री डी प्रिंटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी, साइबर



पूर्वी उत्तर प्रदेश का पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भवन। संवाद

बदल रहा है गोरखपुर

सिक्योरिटी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में एआई, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन टेक्नोलॉजी, स्पेस टेक्नोलॉजी, थ्री डी प्रिंटिंग समेत एकौकृत पाठ्यक्रम संचालित होंगे। एमपीआईटी के निदेशक सुधीर अग्रवाल का कहना है कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में उभरती प्रौद्योगिकी के

क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं (लैब्स) स्थापित की गई हैं। इनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब, ड्रोन टेक्नोलॉजी लैब, थ्री-डी प्रिंटिंग लैब और स्पेस टेक्नोलॉजी लैब शामिल हैं। यहां कौशल विकास से नवाचार को प्रेरित किया जाएगा इससे स्टार्टअप्स को बढ़ावा बढ़ावा मिलेगा और रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी।



कृषि में एआई, मौसम और फसल योजना की भी होगी ट्रेनिंग

गोरखपुर। 60 दिवसीय एआई अवेयरनेस फॉर ऑल ट्रेनिंग वर्कशॉप में एआई का परिचय, जेनेरेटिव एआई टूल्स, प्रॉमप्टिंग एंड प्रोडक्टिविटी, रिस्पॉन्सिबल एआई यूज, साइबर हाइजीन, फ्रॉड प्रिवेंशन, पासवर्ड एंड ओटीपी सेफ्टी और सेफ डिजिटल प्रैक्टिसेज के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण प्राप्त होगा। इसके अलावा एआई अवेयरनेस फॉर फार्मर्स वर्कशॉप में कृषि में एआई, मौसम और फसल योजना, डिजिटल फार्मिंग टूल्स और रूरल प्रोडक्टिविटी सपोर्ट के बारे में विस्तार से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। ब्यूरो

एमजीयूजी में विद्यार्थियों और किसानों को आज सम्मानित करेंगे मुख्यमंत्री

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश 2047' के विजन पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसमें वह एआई अवेयरनेस फॉर ऑल कार्यक्रम में योगदान देने वाले 13 विद्यार्थियों और हैकार्थन के विजेताओं के साथ ही एआई फॉर फार्मर्स कार्यक्रम से जुड़े पांच किसानों को सम्मानित करेंगे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन व विशिष्ट अतिथि के रूप में टीसीएस के एमडी एवं सीईओ के

एमपीआईटी के सभी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पूर्वी यूपी के तकनीकी शिक्षण संस्थानों के लिए महत्वपूर्ण



'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश 2047' के विजन पर होगा कार्यक्रम

कृतवासन उपस्थित रहेंगे। इस दौरान एमजीयूजी और सेंटर ऑफ मेडिकल इनोवेशन गवर्नमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, ग्रेटर नोएडा के साथ एक एमओयू का भी आदान-प्रदान होगा।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के अनुसार, एमजीयूजी की स्थापना

पूर्वी यूपी क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की पहुंच के विस्तार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वर्तमान समय में यह विश्वविद्यालय आठ संकायों के माध्यम से 43 कार्यक्रम संचालित कर रहा है।

दस हजार से अधिक दर्शक क्षमता का स्टेडियम निर्माणाधीन : 130 एकड़ में मौजूद एमजीयूजी में 10,000 से अधिक दर्शक क्षमता वाले स्टेडियम का निर्माण प्रगति पर है, जो इनडोर और आउटडोर खेलों को बढ़ावा देगा। परिसर में 150 से अधिक औपध्रीय पौधों वाली आयुष वाटिका भी विकसित की गई है, जो पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के अध्ययन और अनुसंधान को समर्थन प्रदान करती है।

केंद्र के रूप में काम करेंगे। यहां न केवल एमपीआईटी के छात्रों को बल्कि एआईसीटीई से अनुमोदित

जनपद के 15 तकनीकी शिक्षण संस्थानों को भी ग्लोबल कोर्सेज में शामिल होने की सुविधा मिलेगी।